चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....Times of India.....

दिनांक 27.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4.....

'Only Cong protesting'

Amit Kumar @timesgroup.com

Karnal: Haryana agriculture minister **J P Dalal** on Saturday blamed opposition Congress for the protests against the new farm bills passed by the Parliament.

He accused the party of "shooting from farmers' shoulders".

Talking to media persons at the Karnal regional centre of the Haryana Agriculture University, where he inaugurated the main gate of the centre, the agriculture minister said, "The farmers of the state are busy in harvesting the crop in their fields. It is the Congress party which is protesting, not the farmers."

He further alleged that Congress was responsible for the plight of farmers. "They always backed middleman, who exploited farmers," he said, adding that they should beg the pardon of farmers, who have been exploited by the middleman since ages The minister said Congress should regret that during their rule, they never did anything for improving the lot of farmers.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 25.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ राष्ट्र सेवा की भावना भी सिखाती है एन.एस.एस. : प्रो. समर सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति।

हिसार, 24 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा किया गया था। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनमें राष्ट्र सेवा की भावना का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. का मुख्य उद्देश्य समुदाय को समझने, उसकी समस्याओं को जानने व उनके समाधान के बारे में सिखाना होता है, जिसमें हम रह रहे हैं। इसमें रहकर स्वयंसेवक को राष्ट्र के प्रति अपनी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना अहसास होता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस दौरान कुलपति ने निदेशालय के प्रांगण में पौधारोपण किया। इसके उपरांत कुलपति महोदय द्वारा एन.एस.एस.सेल का उद्घाटन किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 25.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.........कॉलम......3........

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

हिसार | एचएयू में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। इसका आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की एनएसएस इकाई द्वारा किया गया था। कृषि कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र जिंकल को वर्ष 2019-20 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी प्रकार अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल, शरद व मनोज सैनी को एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए गृह विज्ञान कॉलेज की छात्राओं शिवांगी व स्वरूपा, अक्षय मेहता, प्रियंका गुप्ता व अंकित को पुरस्कृत किया। एन.एस.एस.इकाई के समन्वयक डॉ.भगत सिंह ने एनएसएस इकाई की वर्ष भर की गतिविधियों व उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम में विश्वद्यिालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं निदेशक सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी व विद्यार्थी शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम में गुगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन भी विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक ..25.9.2020..पृष्ठ संख्या......3............कॉलम.....2.5..........

राष्ट्र सेवा की भावना सिखाती है एनएसएस : प्रो. सिंह

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की एनएसएस इकाई द्वारा किया गया था। कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनमें राष्ट्र सेवा की भावना का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को उसी समुदाय को समझने, उसकी समस्याओं को जानने व उनके समाधान के बारे में सिखाती है, जिसमें हम रह रहे हैं। इसमें रहकर स्वयंसेवक को राष्ट्र के प्रति अपनी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना अहसास होता है। नेतृत्व का गुण भी विकसित होता है। छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत किया। उन्हें निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान कुलपति ने निदेशालय के प्रांगण में पौधारोपण कर हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया। इसके उपरांत कुलपति द्वारा एनएसएस सेल का उद्घाटन किया गया।

जिंकल बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक : कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्र जिंकल को वर्ष 2019-20 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी प्रकार वर्ष 2018-19 के लिए कृषि महाविद्यालय के स्वयंसेवक अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल, शरद व मनोज सैनी को एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं शिवांगी व स्वरूपा, कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थी अक्षय मेहता, प्रियंका गुप्ता व अंकित यादव को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव डा. बीआर कंबोज, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं निदेशक सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व विद्यार्थी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........

दिनांक 25.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ राष्ट्र सेवा की भावना भी सिखाती है एनएसएस : प्रो. समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की एनएसएस इकाई द्वारा किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनमें राष्ट्र सेवा की भावना का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि एन.एस.एस. का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को उसी समुदाय को समझने, उसकी समस्याओं को जानने व उनके समाधान के बारे में सिखाती है, जिसमें हम रह रहे हैं। इसमें रहकर स्वयंसेवक को राष्ट्र के प्रति अपनी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना अहसास होता है। नेतृत्व का गुण भी विकसित होता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत किया और उन्हें निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस दौरान कुलपति महोदय ने निदेशालय के प्रांगण में पौधारोपण कर हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया। इसके उपरांत कुलपति द्वारा एन.एस.एस.सेल का उद्घाटन किया गया।

हिसार। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को सम्मानित करते कुलपति समर सिंह।

एन.एस.एस.इकाई के समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने एन.एस.एस. इकाई की वर्ष भर की गतिविधियों व उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों चरण सिंह व रोहित कुमार को वर्ष 2019-20 के दौरान गत वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा एक विद्यार्थी राहुल डाबर को युवा मामले एवं खेल मंत्री किरण रिजजू द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। एन.एस.एस. के स्वयंसेवक चेतन गुप्ता ने इसी वर्ष दिल्ली में राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में एन.एस.एस. टुकड़ी का नेतृत्व किया था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. कम्बोज, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं निदेशक सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी व विद्यार्थी शामिल हुए।

जिंकल बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्र जिंकल को वर्ष 2019-20 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी प्रकार वर्ष 2018-19 के लिए कृषि महाविद्यालय के स्वयंसेवक अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल, शरद व मनोज सैनी को एन.एस.एस. पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं शिवांगी व स्वरूपा, कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थी अक्षय मेहता, प्रियंका गुप्ता व अंकित यादव को पुरस्कृत किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पाँच बजे........

दिनांक 24-9-2020...पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ राष्ट्र सेवा की भावना भी सिखाती है एनएसएस : प्रो. समर सिंह

राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की एनएसएस इकाई द्वारा किया गया था। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण के साथ-साथ उनमें राष्ट्र सेवा की भावना का भी विकास करती है। उन्होंने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य स्वयंसेवकों को उसी समुदाय को समझने, उसकी समस्याओं को जानने व उनके समाधान के बारे में सिखाती है, जिसमें हम रह रहे हैं। इसमें रहकर स्वयंसेवक को राष्ट्र के प्रति अपनी सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना अहसास होता है। नेतृत्व का गुण भी विकसित होता है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मुख्यातिथि का स्वागत किया और उन्हें निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया।

इस दौरान कुलपति महोदय ने निदेशालय के प्रांगण में पौधारोपण कर हरियाली बनाए रखने का संदेश दिया। इसके उपरांत कुलपति द्वारा एनएसएस सेल का उद्घाटन किया गया।

राष्ट्रपति से भी सम्मानित हो चुके हैं दो विद्यार्थी, गणतंत्र दिवस पर किया था परेड का नेतृत्व

एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ.भगत सिंह ने एनएसएस इकाई की वर्ष भर की गतिविधियों व उपलब्धियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थियों चरण सिंह व रोहित कुमार को वर्ष 2019-20 के दौरान गत वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर माननीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार से सम्मातिन किया गया था। इसके अलावा एक विद्यार्थी राहुल डाबर को युवा माामले एवं खेल मंत्री किरण रिजजू द्वारा वर्ष 2019-20 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। एनएसएस के स्वयंसेवक चेतन गुप्ता ने इसी वर्ष दिल्ली में राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में एनएसएस टुकड़ी का नेतृत्व किया था।

जिंकल बने सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक

कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष के छात्र जिंकल को वर्ष 2019-20 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक के पुरस्कार से नवाजा गया। इसी प्रकार वर्ष 2018-19 के लिए कृषि महाविद्यालय के स्वयंसेवक अभिषेक, अमित गोयल, जिंकल, शरद व मनोज सैनी को एनएसएस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं शिवांगी व स्वरूपा, कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थी अक्षय मेहता, प्रियंका गुप्ता व अंकित यादव को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विश्वद्यिालय के कुलपति डॉ. बीआर कंबोज, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता एवं निदेशक सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी व विद्यार्थी शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम में गुगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन भी विद्यार्थी जुड़े हुए थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......अमर उजाला.......

दिनांक 26.9.2020 पृष्ठ संख्या.......4.......कॉलम.......1-2.......

न्यूज डायरी

'किसानों व मजदूरों के हितैषी थे ताऊ देवीलाल'

हिसार। देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यंत वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे, इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने स्व. देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए कही। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन के जन्मदाता स्व. देवीलाल ही थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. बीआर कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरके झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक जागरण......
दिनांक 26. 9. 2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....4-5.....

किसानों हितैषी थे ताऊ देवीलाल : प्रो. समर

जासं, हिसारः देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यन्त वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे।

इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल को पद की बजाय देश से प्यार था, इसलिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री तक के पद को भी स्वीकार नहीं किया था। उनका सारा जीवन संघर्षरत रहा और वे छोटे से गांव से उठकर देश के उपप्रधानमंत्री पद तक अपनी मेहनत व लोगों के प्यार की बदौलत पहुंच गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हिसार टुडे........

दिनांक 27.9.2022...पृष्ठ संख्या........कॉलम........

किसानों व मजदूरों के सच्चे हितैषी थे ताऊ देवीलाल : प्रोफेसर समर सिंह

प्रतिमा पर पुष्पार्तित कर ताऊ देवीलाल को दी श्रद्धांजलि

टुडे न्यूज़ | हिसार

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व साथ में मौजूद विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य प्रशासनिक अधिकारी।

देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यन्त वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल को पद की बजाय देश से प्यार था, इसलिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री तक के पद को भी स्वीकार नहीं किया था। उनका सारा जीवन संघर्षरत रहा और वे छोटे से गांव से उठकर देश के उपप्रधानमंत्री पद तक अपनी मेहनत व लोगों के प्यार की बदौलत पहुंच गए। उनका मानना था कि देश के अन्नदाता का उत्थान ही सही मायनों में देश की उन्नति व विकास में अहम रोल अदा कर सकता है। इसलिए किसानों के हित के लिए उन्होंने जीवनभर प्रयास किया। उनका व्यक्तित्व व खानपान बहुत ही साधारण था, लेकिन उनके विचार उच्च थे। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मौजूदा समय में उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। वे राजनीति में सभी को साथ लेकर चलने वाले थे। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने कहा कि उनकी कथनी व करनी में कोई फर्क नहीं था। वे सदैव कर्म करने में विश्वास रखते थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन के जन्मदाता ताऊ देवीलाल ही थे। इसके बाद लगभग पूरे देश में बुढ़ापा पेंशन लागू की गई, जो बुजुर्गों के लिए बहुत बड़ा सम्मान है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 25.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

किसानों व मजदूरों के सच्चे हितैषी थे ताऊ देवीलाल : प्रो. समर सिंह

पल पल न्यूज: हिसार, 25 सितम्बर। देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यन्त वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल को पद की बजाय देश से प्यार था, इसलिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री तक के पद को भी स्वीकार नहीं किया था। उनका सारा जीवन संघर्षरत रहा और वे छोटे से गांव से उठकर देश के उपप्रधानमंत्री पद तक अपनी मेहनत व लोगों के प्यार की बदौलत पहुंच गए। उनका मानना था कि देश के अन्नदाता का उत्थान ही सही मायनों में देश की उन्नति व विकास में अहम रोल अदा कर सकता है। इसलिए किसानों के हित के लिए उन्होंने जीवनभर प्रयास किया। उनका व्यक्तित्व व खानपान बहुत ही साधारण था, लेकिन उनके विचार उच्च थे। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मौजूदा समय में उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने कहा कि उनकी कथनी व करनी में कोई फर्क नहीं था। वे सदैव कर्म करने में विश्वास रखते थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन के जन्मदाता ताऊ देवीलाल ही थे। कार्यक्रम में डॉ. बी.आर. कंबोज, डॉ. एस.के. सहरावत, डॉ. आशा क्षत्रा, डॉ. बिमला ढांडा, डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, डॉ. आर.के. झोरड़, डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. बलवान सिंह, डॉ. सुनील ढांडा, डॉ. आर.एस. ढिल्लो सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हैलो हिसार....

दिनांक 25.9.2022....पृष्ठ संख्या....—....कॉलम....—....

किसानों व मजदूरों के सच्चे हितैषी थे ताऊ देवीलाल : कुलपति

हिसार: देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यन्त वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल को पद की बजाय देश से प्यार था, इसलिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री तक के पद को भी स्वीकार नहीं किया था। उनका सारा जीवन संघर्षरत रहा और वे छोटे से गांव से उठकर देश के उपप्रधानमंत्री पद तक अपनी मेहनत व लोगों के प्यार की बदौलत पहुंच गए। उनका मानना था कि देश के अन्नदाता का उत्थान ही सही मायनों में देश की उन्नति व विकास में अहम रोल अदा कर सकता है। इसलिए किसानों के हित के लिए उन्होंने जीवनभर प्रयास किया। उनका व्यक्तित्व व खानपान बहुत ही साधारण था, लेकिन उनके विचार उच्च थे। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि मौजूदा समय में उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....अग्रमार्ग....

दिनांक 26.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

'किसानों व मजदूरों के सच्चे हितैषी थे ताऊ देवीलाल'

ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्तित कर दी श्रद्धांजलि

अगमार्ग न्यूज 26

हिसार। देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री ताऊ देवीलाल किसानों व मजदूर वर्ग के सच्चे हितैषी थे। जीवनपर्यन्त वे उनके उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। इसलिए उन्होंने ग्रामीणों व किसानों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने ताऊ देवीलाल की 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल को पद की बजाय देश से प्यार था, इसलिए उन्होंने देश के प्रधानमंत्री तक के पद को भी स्वीकार नहीं किया था। उनका सारा जीवन संघर्षरत रहा और वे छोटे से गांव से उठकर देश के उपप्रधानमंत्री पद तक अपनी मेहनत व लोगों के प्यार की बदौलत पहुंच गए। कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज ने कहा कि उनकी कथनी व करनी में कोई फर्क नहीं था। वे सदैव कर्म करने में विश्वास रखते थे। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि बुजुर्गों की बुढ़ापा पेंशन के जन्मदाता ताऊ देवीलाल ही थे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बिमला ढांडा, मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह निदेशक (किसान परामर्श सेवा) डॉ. सुनील ढांडा, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लों मौजूद रहे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए।

ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

पलवल। जननायक ताऊ देवीलाल के 107वीं जयंती के उपलक्ष्य में करमन बॉर्डर व ताऊ देवीलाल पार्क में ताऊ देवीलाल की प्रतिमा पर माला अर्पन करने के बाद जिला कार्यालय पलवल पर संगोष्ठी की जिसमे सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जननायक चौधरी देवीलाल की नीति और संघर्ष के बारे में व्याख्यान किया। मौके पर जिला अध्यक्ष पलवल अजित बॉबी जी ने अध्यक्षता की। मौके पर शहरी जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा जी, रतन सिंह सौरोत, प्रदेश सचिव महेंद्र चौहान, किसान सैल के जिला अध्यक्ष जवाहर डागर, रामपाल सिखी, सतपाल देशवाल, किरण चेयरमैन, कमलजीत दीघोट, नरेन्द्र डागर, बलदेव देशवाल, सुरेंद्र मास्टर, सुरेश गुप्ता, प्रकाश व राजवीर अलिका, जिला महिला अध्यक्ष सत्या चौधरी, राजेंद्र जाखड़, दीपक एडवोकेट, अच्छे लाल सरपंच, शिव सिंह, धर्मपाल नंबरदार, वेद पहलवान, रजीत गहलौत, सते बघारी, मदन पंडित, सुभाष, पवन तेवतिया, श्यामवीर देशवाल, नरेंद्र तेवतिया के साथ अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 27.9.2020 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......2-8......

प्रदेश के किसानों को ध्यान में रखकर विकसित करें नई किस्में : जेपी दलाल

जागरण संवाददाता, हिसारः कृषि विज्ञानी न केवल पूरे प्रदेश बल्कि संपूर्ण भारत की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फसलों की नई-नई किस्मों को विकसित करें। इससे किसानों की फसल की पैदावार व आमदनी भी बढ़ेगी। साथ ही किसान खुशहाल होगा, जिसकी लिए प्रदेश सरकार पहले से ही प्रयासरत है। उक्त विचार कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने कहे। वह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट के उद्घाटन करने पहुंचे थे। गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने की जबकि इंद्री के विधायक राम कुमार कश्यप विशिष्ट अतिथि रहे। कृषि मंत्री ने पौधारोपण कर हरियाली का भी संदेश दिया। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे गेहूं-धान फसल चक्र में बदलाव कर गन्ना, मक्का, सब्जी, दलहनी व तिलहनी फसलों को अपनाएं।

अनुसंधान क्षेत्र का दौरा कर जानकारी हासिल करते कृषि मंत्री जेपी दलाल और उनके साथ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। • पीआरओ

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट का उद्घाटन करते कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल व कुलपति प्रोफेसर समर सिंह • पीआरओ

25 लाख रुपये की आई लागत, भविष्य में बनेंगे सेल काउंटरः क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) के निदेशक डा. आरएस पन्नू ने बताया कि इस भव्य गेट के निर्माण में करीब 25 लाख रूपये की लागत आई है। अब इस भव्य गेट से इस अनुसंधान केंद्र की करनाल- दिल्ली हाइवे पर अलग ही पहचान हो जाएगी। भविष्य में इस गेट पर किसानों के लिए बीज बिक्री और अन्य मूल्यवर्धक उत्पादों के लिए सेल काउंटर बनाए जा सकेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों के लिए उन्हें फसलों की उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने व अन्य जानकारी देने के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र ने गन्ने व मक्का की हाइब्रिड किस्में विकसित की हैं, जो न केवल प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित हुई हैं, बल्कि देश के अन्य राज्यों के किसान भी इन्हें अपनाकर बेहतर उत्पादन हासिल कर रहे हैं। इस केंद्र ने इन फसलों की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में डिमांड के अनुसार उत्पादन व व्यवसाय के लिए बेहतर किस्में तैयार की हैं। इसके अलावा केंद्र में गन्ने की किस्मों, हाइब्रिड मक्का व चावल, गेहूं व सब्जियों की फसल की टेस्टिंग भी की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक ..27.9.2020.. पृष्ठ संख्या......2...... कॉलम......1-2......

दलाल ने नवनिर्मित गेट का किया उद्घाटन

हिसार | कृषि वैज्ञानिक न केवल पूरे प्रदेश बल्कि संपूर्ण भारत की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फसलों की नई-नई किस्मों को विकसित करें। इससे किसानों की फसल की पैदावार व आमदनी भी बढ़ेगी। साथ ही किसान खुशहाल होगा, जिसकी लिए प्रदेश सरकार पहले से ही प्रयासरत है। उक्त विचार कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने व्यक्त किए । वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि इंद्री के विधायक श्री राम कुमार कश्यप विशिष्ट अतिथि रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 27.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरुप बीज की किस्में विकसित करें कृषि वैज्ञानिक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी में नवनिर्मित गेट का कृषि मंत्री ने किया उद्घाटन

गन्ने की 12, मक्का की 16 उन्नत किस्मों का विकास

उचानी हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट का उद्घाटन करते कृषि मंत्री [illegible] दलाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला करनाल......

दिनांक 27-9-2020....पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को ध्यान में रखकर विकसित करें नई किस्में : मंत्री

अमर उजाला 27.

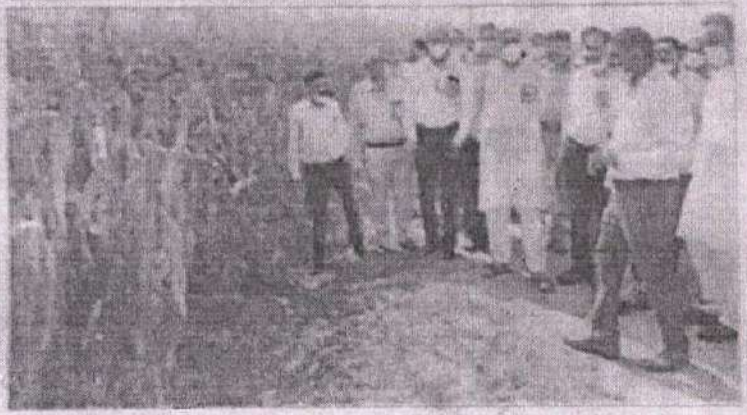

कृषि मंत्री जे पी दलाल वैज्ञानिकों के साथ फसल की नई किस्म की जानकारी लेते हुए।

25 लाख रुपए की आई लागत, भविष्य में बनेंगे सेल काउंटर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पल पल.....

दिनांक 27.9.2020 पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

पूरे प्रदेश के किसानों को ध्यान में रखकर विकसित करें नई किस्में : जेपी.दलाल

पल पल न्यूज: हिसार 26 सितंबर। कृषि वैज्ञानिक न केवल पूरे प्रदेश बल्कि संपूर्ण भारत की भौगौलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फसलों की नई-नई किस्मों को विकसित करें। इससे किसानों की फसल की पैदावार व आमदनी भी बढेगी। साथ ही किसान खुशहाल होगा, जिसकी लिए प्रदेश सरकार पहले से ही प्रयासरत है। उक्त विचार कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे चैधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि इंद्री के विधायक राम कुमार कश्यप विशिष्ट अतिथि थे। गेट के उद्घाटन के बाद मुख्यातिथि ने गेट के सामने पौधारोपण कर हरियाली का भी संदेश दिया। उन्होंने

किसानों से भी अपील की कि वे गेहूं-धान फसल चक्र में बदलाव कर गन्ना, मक्का, सब्जी, दलहनी व तिलहनी फसलों को अपनाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों के लिए उन्हें फसलों की उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने व अन्य जानकारी देने के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र ने गन्ने व मक्का की हाइब्रिड किस्में विकसित की है, जो न केवल प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित हुई है, बल्कि देश के अन्य राज्यों के किसान भी इन्हें अपनाकर बेहतर उत्पादन हासिल कर रहे है। इस केंद्र ने इन फसलों की अंतराष्ट्रीय मार्केट में डिमांड के अनुसार उत्पादन व व्यवसाय के लिए बेहतर किस्में तैयार की हैं। इसके अलावा केंद्र में गन्ने की किस्मों, हाइब्रिड मक्का व चावल, गेहूं व सब्जियों की फसल की टेस्टिंग भी की जाती है। इसके अलावा गन्ने, मक्का, गेहूं व सब्जियों के गुणवत्ता पूर्वक बीजों को उपलब्ध करवाया जाता है। क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) के निदेशक डॉ. आर.एस.पन्नू ने बताया कि भविष्य में इस गेट पर किसानों के लिए बीज बिक्री और अन्य मूल्यवर्धक उत्पादों के लिए सेल काउंटर बनाए जा सकेंगे। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, वित नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्षत्रा, मानव संसाधान निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, ईओ कम सीडं भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील कुमार ढांडा, डॉ. विजय अरोडा, डॉ. ओ.पी.चैधरी, डॉ. मेहर चंद, डॉ. राकेश मेहरा, डॉ. एम.सी. कंबोज, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. हरविंद्र, मेघराज सिंह पंवार, टेकराम सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी व भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हरि: भूमि करनाल..........

दिनांक 27-9-2020....पृष्ठ संख्या......—......कॉलम......—......

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नवनिर्मित गेट का किया उद्घाटन

पूरे प्रदेश के किसानों को ध्यान में रखकर विकसित की जाए नई किस्में : कृषि मंत्री

■ गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| करनाल

कृषि वैज्ञानिक न केवल पूरे प्रदेश बल्कि सम्पूर्ण भारत की भूगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फसलों की नई-नई किस्मों को विकसित करें। इससे किसानों की फसल की पैदावार व आमदनी भी बढ़ेगी, साथ ही किसान खुशहाल होगा, जिसके लिए प्रदेश सरकार पहले से ही प्रयासरत है। यह विचार कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने कहे। मंत्री चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि इंद्री के विधायक राम कुमार कश्यप विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। गेट के उद्घाटन के बाद मुख्यातिथि ने गेट के सामने पौधरोपण कर हरियाली का भी संदेश दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे जिस प्रकार करनाल व इसका आसपास का क्षेत्र यहां से विकसित किस्मों के माध्यम से बेहतर उत्पादन हासिल कर रहा है, वैसी ही किस्मों को प्रदेश के दक्षिण हरियाणा क्षेत्र के लिए विकसित करें ताकि वहां का किसान भी अच्छी पैदावार ले सके। उन्होंने कहा कि इसी अनुसंधान केंद्र के साथ बागवानी विश्वविद्यालय की भी स्थापना की गई है, जहां से युवा बागवानी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करने के योग्य हो सकेंगे। इसके अलावा यहां से विकसित किस्में न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे गेहूं-धान फसल चक्र में बदलाव कर गन्ना, मक्का, सब्जी, दलहनों व तिलहनों फसलों को अपनाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों के लिए उन्हें फसलों की उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने व अन्य जानकारी देने के लिए किया गया है।

25 लाख की आई लागत, भविष्य में बनेंगे सेल काउंटर

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) के निदेशक डॉ. आरएस पन्नू ने बताया कि इस भव्य गेट के निर्माण में करीब 25 लाख रुपये की लागत आई है। अब इस भव्य गेट से इस अनुसंधान केंद्र की करनाल-दिल्ली हाइवे पर अलग ही पहचान हो जाएगी। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, हरियाणा तालाब प्राधिकरण के सदस्य तेजिंदर सिंह, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कम्बोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, ईओ कम सीडीओ सुरेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. आरएस ढिल्लो, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील कुमार ढांडा, डॉ. विजय अरोड़ा, डॉ. ओपी चौधरी, डॉ. मेहर चंद, डॉ. राकेश मेहरा, डॉ. एमसी कम्बोज, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. हरविंद, मोहराज सिंह पवार, टेकराम सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी व भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रही

करनाल। कृषि किसान बिल के विरोध में किसान संगठनों द्वारा भारत बंद किए जाने के सवाल पर कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा सभी किसान अपने खेतों में व्यस्त हैं। सड़कों पर केवल कांग्रेस थी, कांग्रेस एक बुझती हुई लौ है। कांग्रेस अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस किसानों के कंधे पर बंदूक रखकर चला रही है। कांग्रेस ने हमेशा बिचौलियों का साथ दिया है। किसानों की हालत आज जो हुई है इसकी जिम्मेदारी कांग्रेस को लेनी चाहिए। हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने करनाल में बने रिजनल सेंटर उचानी के नव निर्मित गेट का उद्घाटन किया। इस दौरान वे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। वहीं कृषि मंत्री जेपी दलाल ने किसान संगठनों द्वारा कल किए गए भारत बंद के सवाल पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा बरोदा चुनाव पर किसानों संगठनों द्वारा कृषि बिल का विरोध करने पर चुनाव पर कितना असर पड़ेगा, जेपी दलाल ने कहा आने वाला समय ही बताएगा जब चुनाव का रिजल्ट ही आएगा, लेकिन बरोदा का किसान और मतदाता काफी समझदार है। उसे कुछ बताने की जरूरत नहीं है। वह सोच समझकर ही फैसला लेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....हिसार टुडे....

दिनांक 26-9-2020....पृष्ठ संख्या....–....कॉलम....–....

प्रदेश के किसानों को ध्यान में रखकर विकसित करें नई किस्में: जेपी दलाल

हकृवि के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी में नवनिर्मित गेट का उद्घाटन

टुडे न्यूज | हिसार

कृषि वैज्ञानिक न केवल पूरे प्रदेश बल्कि संपूर्ण भारत की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फसलों की नई-नई किस्मों को विकसित करें। इससे किसानों की फसल की पैदावार व आमदनी भी बढ़ेगी। साथ ही किसान खुशहाल होगा, जिसकी लिए प्रदेश सरकार पहले से ही प्रयासरत है। उक्त विचार कृषि, किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री श्री जे.पी. दलाल ने कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। गेट का निर्माण करनाल-दिल्ली हाइवे पर किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की जबकि इंद्री के विधायक श्री राम कुमार कश्यप विशिष्ट अतिथि थे।

गेट के उद्घाटन के बाद मुख्यातिथि ने गेट के सामने पौधारोपण कर हरियाली का भी संदेश दिया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे जिस प्रकार करनाल व इसका आसपास का क्षेत्र यहा से विकसित किस्मों के माध्यम से बेहतर उत्पादन हासिल कर रहा है, वैसी ही किस्मों को प्रदेश के दक्षिण हरियाणा क्षेत्र के लिए विकसित करें ताकि वहां का किसान भी अच्छी पैदावार ले सके। उन्होंने कहा कि इसी अनुसंधान केंद्र के साथ बागवानी विश्वविद्यालय की भी स्थापना की गई है, जहां से युवा बागवानी के क्षेत्र में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण हासिल कर स्वरोजगार स्थापित करने के योग्य हो सकेंगे। इसके अलावा यहां से विकसित किस्में न केवल प्रदेश बल्कि पूरे देश में अपनी अलग पहचान बनाए हुए हैं। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे गेहूं-धान फसल चक्र में बदलाव कर गन्ना, मक्का, सब्जी, दलहनी व तिलहनी फसलों को अपनाएं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों के हितों के लिए उन्हें फसलों की उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाने व अन्य जानकारी देने के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र ने गन्ने व मक्का की हाइब्रिड किस्में विकसित की हैं, जो न केवल प्रदेश के किसानों के लिए वरदान साबित हुई हैं, बल्कि देश के अन्य राज्यों के किसान भी इन्हें अपनाकर बेहतर उत्पादन हासिल कर रहे हैं। इस केंद्र ने इन फसलों की अंतराष्ट्रीय मार्केट में डिमांड के अनुसार उत्पादन व व्यवसाय के लिए बेहतर किस्में तैयार की हैं। इसके अलावा केंद्र में गन्ने की किस्मों, हाइब्रिड मक्का व चावल, गेहूं व सब्जियों की फसल की टेस्टिंग भी की जाती है। इसके अलावा गन्ने, मक्का, गेहूं व सब्जियों के गुणवत्ता पूर्वक बीजों को उपलब्ध करवाया जाता है।

25 लाख रूपये की आई लागत, भविष्य में बनेंगे सेल काउंटर

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) के निदेशक डॉ. आर.एस. पन्नू ने बताया कि इस भव्य गेट के निर्माण में करीब 25 लाख रूपये की लागत आई है। अब इस भव्य गेट से इस अनुसंधान केंद्र की करनाल-दिल्ली हाइवे पर अलग ही पहचान हो जाएगी। भविष्य में इस गेट पर किसानों के लिए बीज बिक्री और अन्य मूल्यवर्धक उत्पादों के लिए सेल काउंटर बनाए जा सकेंगे। उन्होंने केंद्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि इस केंद्र ने गन्ने की 12 व मक्का की 16 उन्नत संकर किस्मों का विकास किया है, जिसके फलस्वरूप इस केंद्र को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वोत्तम शोध केंद्र के अवार्ड से नवाजा जा चुका है। गन्ना, व मक्का के अलावा संसाधन संरक्षण, खरपतवार नियंत्रण, धान,गेहूं व सब्जी विज्ञान से संबंधी शोध कार्य भी इस केंद्र पर किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. बी.आर. कंबोज, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, ईओ कम सीई भूपेंद्र सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. आर.एस. ढिल्लो, विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. सुनील कुमार ढांडा, डॉ. विजय अरोड़ा, डॉ. ओ.पी. चौधरी, डॉ. मेहर चंद, डॉ. राकेश मेहरा, डॉ. एम.सी. कंबोज, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. हरविंद, मेघराज सिंह पंवार, टेकराम सहित विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व कर्मचारी व भाजपा कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र उचानी (करनाल) में नवनिर्मित गेट का उद्घाटन करते कृषि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक जागरण........

दिनांक 27.9.2020 पृष्ठ संख्या......4......कॉलम......1-6......

सुखद इंडोर स्टेडियम से लेकर सिंथेटिक रेसिंग ट्रैक का काम पूरा, खिलाड़ियों को प्रैक्टिस की मिलेगी सुविधा

एचएयू में खिलाड़ियों का इंटरनेशनल खेलों में जाने का सपना तैयार

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में अब खिलाड़ी खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने के लिए तैयारी कर सकते हैं। उनका सपना एचएयू में खेल से जुड़े कुछ नए संसाधन पूरे कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय में पिछले लगभग एक वर्ष से तैयार हो रहा सिंथेटिक तकनीकि से बना रेसिंग ट्रैक, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा तैयार इंडोर स्टेडियम और जिंदल स्टील द्वारा तैयार किया गया बॉक्सिंग हॉल बनकर तैयार हो गया है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन इसके शुभारंभ की तैयारियों में जुट गया है। खास बात यह है कि स्थिति सामान्य होने पर खिलाड़ी प्रैक्टिस के लिए इसका प्रयोग भी कर सकेंगे। अभी तक कोविड-19 के कारण एचएयू में खिलाड़ी अपनी प्रैक्टिस नहीं कर पा रहे हैं। इन प्रोजेक्टों पर अब फिनिशिंग की जा रही हैं।

विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय दर्जे का निर्माणाधीन रेसिंग ट्रैक। ● जागरण

सिंथेटिक तकनीकि आधारित रनिंग ट्रैक

गिरी सेंटर में 400 मीटर का अंतरराष्ट्रीय दर्जे का रेसिंग ट्रैक बनकर तैयार हो गया है। इस ट्रैक को अंतिम रूप देने के लिए इंग्लैंड से विशेष इंजीनियर एचएयू में कुछ दिनों से अपनी निगरानी में कार्य कर रहे हैं। 400 मीटर के रेसिंग ट्रैक को कुछ इस तरह से बनाया गया है कि यहां पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की 1500 मीटर तक की दौड़ प्रतियोगिताएं भी आसानी से हो सकती हैं। इसकी गुणवत्ता ए-वन श्रेणी की रखी गई है। यह श्रेणी अंतरराष्ट्रीय खेलों में ट्रैक के लिए सर्वोत्तम मानी जाती है। खिलाडियों के प्रदर्शन में निखार आए, इसके लिए ट्रैक के निर्माण में रबड़ के दानों और केमिकल के एक विशेष सोल्यूशन का प्रयोग किया है। इस सोल्यूशन को लगाने के लिए कर्मचारी भी विदेशों से ही आए हैं। इसमें आठ अलग-अलग लाइन बनाई गई हैं। इस रेसिंग ट्रैक पर करीब 150 खिलाड़ी हर रोज प्रैक्टिस कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन इंडोर स्टेडियम। ● जागरण

गिरि सेंटर होगा अत्याधुनिक

जिंदल स्टील द्वारा गिरि सेंटर का जीर्णोद्वार पब्लिक, प्राइवेट पार्टनर्शिप यानि पीपीपी मोड पर कराया जा रहा है। इसके तहत बॉक्सिग हॉल अत्याधुनिक तरीके से बनकर तैयार है। खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल को भी रिनोवेट किया गया है। इसके साथ-साथ इन सभी स्थानो पर अत्याधुनिक मानकों के अनुसार अग्निशमन यंत्रों का भी प्रयोग किया है। इसके साथ ही यहां खिलाड़ियों की सुविधाओं का ख्याल पूरी तरह से रखा गया है। इस प्रोजेक्ट पर काम समाप्त हो चुका है। अब यहां पर उद्घाटन का इंतजार ही बाकी है।

इंडोर खेल स्टेडियम

रेसिंग ट्रैक के पास ही भारत सरकार के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की मदद से पिछले दो वर्षों से इंडोर स्टेडियम तैयार किया जा रहा था। इसका काम भी लगभग पूरा हो चुका है। यहां स्टेडियम को फिनिशिंग देने के लिए दिन-रात श्रमिक जुटे हुए हैं। यह काम पहले ही पूरा हो जाता, मगर लॉकडाउन के दौरान काम समय से पूरा नहीं हो सका। इंडोर स्टेडियम में कई प्रकार की सुविधाए मौजूद हैं। एक ही छत के नीचे कई प्रकार के खेलों को खिलाड़ी खेल सकेंगे।

हम कोशिश कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल से इन प्रोजेक्टों का शुभारंभ का समय मिले। इसके बाद ही खिलाड़ियों के लिए यहां सुविधाओं को शुरू करें। अब अधिक दिन तक और देरी नहीं की जाएगी।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक .27.9.2020... पृष्ठ संख्या......2...... कॉलम......5-7......

अभिभावकों से भी ऑनलाइन पढ़ाई के संबंध में सुझाव मांगेगी एचएयू

एचएयू के कुलपति प्रो. समर बोले- आगे भी ऑनलाइन जारी रहेगी पढ़ाई

सितंबर के अंत और अक्तूबर के पहले सप्ताह में घोषित होगा प्रवेश परीक्षा का परिणाम

भास्कर न्यूज़ | हिसार

एचएयू प्रशासन ने छात्रों की पढ़ाई को लेकर एक ओर अहम निर्णय लिया है। अब विवि छात्रों के अभिभावकों से भी कराई जा रही ऑनलाइन पढ़ाई के संबंध में सुझाव मांगेगा। इसके लिए समय समय पर कुछ अभिभावकों को भी ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान शामिल किए जाने की तैयारी है। छात्रों से भी सुझाव मांगे जा रहे हैं।

दरअसल, कोरोना वायरस से बचाव के लिए एचएयू मार्च माह से बंद है। जिसके कारण छात्रों की ऑनलाइन ही पढ़ाई कराई जा रही है। हालांकि विवि में ऑफिसियल कार्य चल रहे है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से भी छात्रों की पढाई कराई जा रही है। जल्द ही एचएयू प्रशासन कुछ और स्मार्ट क्लास बढ़ाने की तैयारी में है। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि प्रयास है कि पढ़ाई के दौरान किसी भी छात्र को परेशानी न हो, इसके लिए कुछ छात्रों के अभिभावकों को भी समय समय पर ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान शामिल कराया जाएगा। ताकि अभिभावक भी ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान आ रही परेशानी के संबंध में सुझाव दे सकें। इसके लिए विवि ने अलग से सैल का भी गठन किया है। हालांकि आए दिन छात्रों के सुझाव भी विवि प्रशासन अमल कर रहा है।

कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि पीजी और यूजी की प्रवेश परीक्षाओं का परिणाम जल्द ही सितंबर माह के अंत और अक्तूबर माह के पहले सप्ताह में घोषित किया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली है। कोरोना वायरस से बचाव के लिए भविष्य में भी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए सभी विभागाध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए है। कुलपति का कहना है कि राष्ट्र स्तरीय किसान मेले को संपन्न कराने के संबंध में विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों को भी जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 27.9.2020 पृष्ठ संख्या.....3..... कॉलम.....1-8.....

एचएयू विशेष प्रकार का सॉफ्टवेयर करा रहा तैयार, विदेशी भी वर्चुअल किसान मेले में हो सकेंगे शामिल, ऑनलाइन बुक कराए जा सकेंगे बीज और कृषि यंत्र

लुधियाना मेले की तर्ज पर एचएयू के मेले को भी सफल बनाने की तैयारी, मेले में पांच लाख से अधिक किसान हो सकेंगे शामिल, वीसी बोले- किसानों को नहीं होने दी जाएगी समस्या

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू द्वारा आयोजित किए जाने वाले वर्चुअल किसान मेला पूरी तरह से अत्याधुनिक होगा।

एचएयू किसानों को मेले में शामिल कराने के लिए विशेष प्रकार का किसान नाम का एप्लीकेशन तैयार करा रहा है। भारत के साथ-साथ विदेशी भी

वर्चुअल मेले में शामिल हो सकेंगे। यही नहीं ऑनलाइन ही बीज से लेकर कोई भी कृषि यंत्र बुक कराया जा सकेगा। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देश पर विधि प्रशासन ने मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। दरअसल, कोरोना वायरस के चलते इस बार एचएयू में राष्ट्र स्तरीय किसान मेला आयोजित नहीं किया जा सका। हर साल सितंबर माह में किसान मेला आयोजित कराया जाता था। लुधियाना में हुए वर्चुअल किसान मेले की तर्ज पर एचएयू प्रशासन ने भी वर्चुअल मेला आयोजित कराने का निर्णय लिया था। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह का कहना है कि मेले के वर्चुअल होने के कारण इस बार भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशी भी शामिल हो सकेंगे। इसके लिए किसान एप्लीकेशन तैयार कराया जा रहा है। खासियत यह रहेगी कि एप्लीकेशन पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद किसान ऑनलाइन ही कृषि यंत्र से लेकर बीज और पदार्थों की बुकिंग करा सकेंगा। इसके बाद नजदीकी कृषि केंद्र पर उक्त ऑनलाइन बुक कराई वस्तु को भेज दिया जाएगा।

नजदीकी केंद्र से किसान उसे हासिल कर सकेंगा। कुलपति ने बताया कि जल्द ही वर्चुअल किसान मेले की तारीख घोषित कर दी जाएगी।

कुलपति ने कहा- सभी को सौंप दी गई है जिम्मेदारी

कुलपति का कहना है कि राष्ट्र स्तरीय किसान मेले को संपन्न कराने के संबंध में विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों को भी जानकारी दी जाएगी। मेले की खासियत यह रहेगी कि पांच लाख से अधिक किसान भी शामिल हो सकेंगे।

मेले के लिए वर्चुअल टीम का किया जा रहा गठन

मेले में किसानों की समस्याओं से लेकर ऑनलाइन आने वाली रिक्वेस्ट पर तुरंत रेस्पांस देने के लिए विधि प्रशासन वर्चुअल टीम का भी गठन कर रहा है। टैक्नीकल रुप से एक्सपर्ट लोगों को टीम में शामिल किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक 27.9.2020....पृष्ठ संख्या....2....कॉलम....8....

मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर हुए वेबिनार में किसानों से चर्चा

भास्कर न्यूज | हिसार

एक निजी बैंक और हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने मिलकर 'मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन' पर किसानों के लिए वेबिनार का आयोजन किया। इसमें उर्वरकों का संतुलित प्रयोग पर गंभीरता से चर्चा की गइ़। हकृवि के वरिष्ठ मृदा विशेषज्ञ डॉ. विजय अरोड़ा मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान प्रश्न-उत्तर सत्र में किसानों के मृदा प्रबंधन एवं बैंकिंग संबंधित सवालों का निराकरण किया गया। वेबिनार का मुख्य उद्देश्य किसानों को बैंक से उपलब्ध सुविधाओं के साथ सम गतिशील कृषि के लिए मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की उच्चतम नई तकनीक से अवगत कराना है, ताकि कोविड-19 से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निजात पाइ़ जा सके। हरियाणा से लगभग 5 हजार किसान वेबिनार में पंजीकृत हुए। बैंक के कृषि विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेन्द्र कुमार बब्बर ने किसानों को बैंक की विभिन्न लोन सुविधाओं से अवगत कराया एवं बैंक की 'ई किसान धन एप' के बारे में बताया। बब्बर ने कहा कि कोविड-19 परिस्थितियों के बावजूद बैंक के इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुडऩे के लिए प्रेरित हुए। हकृवि स्थित मृदा प्रबंधन के प्रधान वैज्ञानिक डॉ विजय अरोड़ा ने मृदा स्वास्थ्य को अक्षुण बनाए रखने हेतु फसलोत्पादन में पोषक तत्वों का महत्व एवं प्रबंधन पर चर्चा की। कृषि अवशिष्ट पदार्थों से अच्छी गुणवत्ता की खाद बनाने की विधि, मृदा स्वास्थ्य में जैव उर्वरकों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 28.9.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

मध्य अक्तूबर तक करें देसी चने की बिजाई

देसी चने की बिजाई मध्य अक्तूबर तक और काबुली चने की बिजाई इस माह के आखिरी सप्ताह में करें। बारानी इलाकों में उन्नत किस्म हरियाणा चना नंबर -1 बोयें। जहां सिंचाई के साधन अच्छे हों या बारिश अच्छी होती हो वहां हरियाणा चना नंबर-1, काबुली चने की हरियाणा काबुली नंबर-1 किस्में बोयें। हरियाणा चना नंबर - 5 की हरियाणा राज्य के सारे क्षेत्रों में बिजाई की जा सकती है। हरियाणा चना नंबर - 3 का 30 - 32 किलोग्राम व अन्य देसी किस्मों का 15 -18 किलोग्राम और काबुली चने का लगभग 36 किलोग्राम व हरियाणा चना नंबर -1 का 20 - 22 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ काफी है। बिजाई से पहले बीज का क्रमशः कीटनाशक व फफूंदनाशक टीके से उपचार करें। दीमक से बचाने के लिए 850 मिलीलीटर मोनोक्रोटोफास 36 एसएल या 1500 मिलीलीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी को पानी में मिलाकर कुल दो लीटर घोल बनाएं। ऐसे दो लीटर घोल से एक क्विंटल बीज को बीजने से एक दिन पूर्व पक्के फर्श या पॉलिथीन की शीट पर फैलाकर उपचारित करें। इसके बाद फफूंदनाशक बाविस्टीन या जैविक फफूंदनाशक ट्राइकोडरमा विरिडी चार ग्राम प्लस वीटावैक्सव एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें। बीजोपचार के लिए चार ग्राम बायोडरमा और एक ग्राम वीटावैक्स को पांच मिलीलीटर पानी में लेप बनाकर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। बिजाई पोरा विधि से दो खूडों का फासला 30 सेंटीमीटर रखकर इस प्रकार करें कि बीज 10 सेंटीमीटर गहरा पड़े। इससे कम गहराई पर पड़ने पर उखेड़ा रोग लगने का भय रहता है। जहां खेत में आल की कमी हो तो दो खूडों का फासला 45 सेंटीमीटर रखकर बिजाई के समय 12 किलोग्राम यूरिया व 100 किलोग्राम सुपर फास्फेट प्रति एकड़ ड्रिल करें। यदि डीएपी मिल जाए तो 34 किलोग्राम डीएपी प्रति एकड़ बिजाई के समय बीज के नीचे ड्रिल करें। चने के बीज को राइजोबियम का टीका अवश्य लगाएं और बहुत रेतीली जमीन में 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। झुलसा रोग से बचाव के लिए सी 235 या हरियाणा चना नंबर-3 किस्म ही बोएं। जिस खेत में अंगमारी का आक्रमण रहा तो वहां चने की फसल न लें। *प्रस्तुति : अमित भारद्वाज, हिसार*

डॉ. एसके सहरावत हरियाणा कृषि विवि में अनुसंधान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।